लड़ाकू विमान राफेल और मिराज

चर्चा में क्यों

फ्राँस की विमान निर्माता कंपनी डसॉल्ट एविएशन नोएडा एयरपोर्ट परिसर में भारतीय वायुसेना के राफेल और **मिराज-2000** लड़ाकू विमानों की **मरम्मत और रखरखाव और ओवरहाल (MRO)** का कार्य करेगी। कंपनी इसके लिये एक **उत्कृष्टता केंद्र (Centre of Excellence)** और एक **विश्वविद्यालय** की स्थापना भी करेगी।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - MRO सुविधा के लिये **1365 हेक्टेयर भूमि** अधिगृहीत की गई है, जो **नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट** के पास स्थित है।
  - डसॉल्ट द्वारा स्थापित **सेंटर ऑफ एक्सीलेंस** में **हाईस्कूल, पॉलिटेक्निक और ग्रेजुएशन स्तर** के एयरोनॉटिकल **और एवियोनिक्स पाठ्यक्रम** शुरू किये जाएँगे।
  - इसका उद्देश्य भारत में MRO क्षमता को बढ़ाकर विदेशी निर्भरता को कम करना, डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना और FDI (Foreign Direct Investment) को आकर्षित करके राज्य में निवेश और रोज़गार के अवसरों को बढ़ाना है।
  - कंपनी को **FDI नीति** के तहत **₹12 करोड़ की सब्सिडी** भी मिलेगी।
  - भारत में **MRO उद्योग** 2021 में **1.7 बिलियन डॉलर** का था, जो **2030 तक 7 बिलियन डॉलर** तक पहुँचने का अनुमान है।
  - भारत में **713 एयरक्राफ्ट** हैं, जो **2031 तक 1522** तक बढ़ सकते हैं। भारतीय वायुसेना के पास **36 राफेल** और **50 मिराज-2000** विमान हैं।
  - भारत अब **राफेल और मिराज जैसे अत्याधुनिक विमानों** की **मेंटेनेंस के लिये अमेरिका, चीन और सिंगापुर** जैसे देशों पर निर्भर नहीं रहेगा।
- **महत्त्व:**
  - भारतीय वायुसेना की **रखरखाव लागत** और **समय** में कमी आएगी।
  - भारत की **रणनीतिक स्वायत्तता** और **रक्षा तैयारियाँ** मज़बूत होंगी।
  - **स्थानीय रोज़गार**, **तकनीकी शिक्षा** और **औद्योगिक विकास** को बढ़ावा मिलेगा।
  - भारत का **MRO उद्योग** वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्द्धी बन सकता है।
  - **उत्तर प्रदेश** को विमानन क्षेत्र में एक **नई पहचान** मिलेगी।

राफेल के बारे में:

- राफेल (Rafale) फ्राँस का डबल इंजन वाला और मल्टीरोल लड़ाकू विमान है, जिसे फ्राँस की डसॉल्ट एविएशन कंपनी द्वारा डिज़ाइन किया गया है।
- इस लड़ाकू विमान में अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग किया गया है और यह एक 4.5 जेनरेशन (4.5 Generation) वाला लड़ाकू विमान है।
- राफेल लड़ाकू विमान में मौजूद मीटीओर मिसाइल (Meteor Missile), SCALP क्रूज मिसाइल (Scalp Cruise Missile) और **MICA मिसाइल प्रणाली (MICA Missile System)** इसे सुरक्षा की दृष्टि से काफी महत्त्वपूर्ण बनाती हैं।
- राफेल 2,222.6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार और 50,000 फीट की ऊँचाई तक उड़ सकता है।
- यह लड़ाकू विमान लगभग 15.27 मीटर लंबा है और यह अपने साथ एक बार में 9,500 किलोग्राम बम और गोला-बारूद ले जा सकता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/fighter-aircraft-rafale-and-mirage